

फर्द अहकाम

बनाम

बिरमा बनाम जीमती

2/2015

क आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से	विशेष विवरण
	<p>इस आशय का पेश किया है कि पक्षकारों के आपसी वाजीनाम हो गया है तथा पक्षकारों आपस में भाई बहिन हैं तथा एक ही परिवार के हैं। ऊपर ऊपीलान्तस को उक्त ऊपीलान्तस से कोई अनुतोष नहीं चाहिए। अतः ऊपीलान्तस को जारिज कर दिया करे।</p> <p>पत्रावली का अवलोकन किया। ऊपीलान्तस स्वयं उपस्थित होकर जजिये वकील जारिज पत्र प्रस्तुत कर ऊपीलान्तस से कोई अनुतोष नहीं चाहने का निवेदन किया है। पक्षकारों आपस में भाई बहिन एवं एक ही परिवार के हैं पक्षकारों के मध्य आपसी वाजीनाम हो गया है। अतः ऊपीलान्तस को जारिज कर पाती है।</p> <p>पत्रावली में तल शुक्र होकर नंबर ले कर होकर कास तकमील राखिल दफ्तर हो।</p>	

अतिरिक्त जिला कलक्टर
कोटपूतली (जयपुर)